केन्द्रीय बजट के प्रथम प्रकल्प के रूप में भोपाल को महत्वपूर्ण सौगात

■ मुख्यमंत्री ने नए कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए किया भूमिपूजन ■ 25 फरवरी को हुई घोषणा, 7 मार्च को हो गया भूमिपूजन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की राजधानी भोपाल में बड़े आयोजनों के लिए जिस तरह के कन्वेंशन सेंटर की आवश्यकता थी, वह कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (मिंटो हॉल) के विस्तारीकरण और नए कन्वेंशन सेंटर से पूर्ण हो जाएगी।

डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन सफल रहा। इस अवसर पर भोपाल में एक कन्वेंशन सेंटर की आवश्यकता अनुभव की गई। इस तरह के सेंटर की स्थापना की घोषणा के कुछ दिन में ही भारत सरकार से इसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस तरह यह नए केन्द्रीय बजट के पहले महत्वपूर्ण प्रकल्प के रूप में सामने आया है और शीघ्र ही इस सेंटर के विकास का कार्य प्रारंभ हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में

विभिन्न क्षेत्रों में विकास के साथ ही शहरों में जनता से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार का महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। राजधानी भोपाल और प्रदेश का विकास प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप होगा। मुख्यमंत्री शुक्रवार की शाम कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर के मुख्य सभाकक्ष में कन्वेंशन सेंटर परिसर में प्रस्तावित नवीन कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम के पूर्व भूमिपूजन की औपचारिक कार्यवाही में हिस्सा लिया। डॉ. यादव ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को 100 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले इस नए कन्वेंशन सेंटर के निर्माण में वर्तमान कन्वेंशन सेंटर की वास्तुकला और आकल्पन की तरह कार्य सम्पन्न किए जाने के निर्देश दिए। उच्च स्तरीय बैठकों के साथ ही व्यवसायिक आयोजनों और बड़े सम्मेलनों के लिए यह सेंटर उपयोगी सिद्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन मध्यप्रदेश की पहचान है। हाल ही भोपाल में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से भोपाल की प्राकृतिक सुंदरता प्रतिभागियों के मध्य चर्चा का विषय रही। वन्य जीवन पर्यटन में प्रदेश की नई पहचान बन रही है। देश में सर्वाधिक टाइगर मध्यप्रदेश में है। प्रदेश में माधव राष्ट्रीय उद्यान 9वां टाइगर रिजर्व घोषित हुआ है। मानव और वन्य प्राणी के सह-जीवन का अनूठा उदाहरण राजधानी भोपाल में देखने को मिलता है, जहां रातापानी अभ्यारण्य के झिरी-द्वार की दूरी शहर से सिर्फ 4-5 किलोमीटर दूर है। यहां टाइगर की संख्या को देखते हुए भोपाल को टाइगर कैपिटल मान सकते हैं। भोपाल की झील में घड़ियाल भी मिलेंगे। हमारे देश में मध्यप्रदेश ही ऐसा प्रदेश है जहां चीतों की बसाहट के साथ चम्बल क्षेत्र में घड़ियाल अभ्यारण्य और प्रदेश में अनेक टाइगर रिजर्व हैं। मुख्यमंत्री ने भूमिपूजन कार्यक्रम में उद्योग और व्यापार जगत के प्रतिनिधियों विशेष होटल और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों की भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि इस कन्वेंशन सेंटर के भूमिपूजन से मुख्यमंत्री डॉ. यादव की 25 फरवरी की घोषणा का 10 दिवस के अंदर क्रियान्वयन प्रारंभ हो गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता से उत्साह का वातावरण बना है। प्रदेश में बड़ी संख्या में निवेशक आ रहे हैं। निश्चित ही प्रदेश में औद्योगिक विकास का वातावरण बनेगा। जहां उज्जैन सम्राट विक्रमादित्य के न्याय और विकास के दर्शन का प्रतीक है, वहीं प्रदेश की राजधानी भोपाल अत्याधुनिक सेवाओं के साथ नई पहचान बनाने की ओर अग्रसर है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि विजनरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में इस तरह के सुविधाजनक कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की आवश्यकता बताई थी। वर्तमान कन्वेंशन सेंटर की क्षमता कम होने से कई आयोजनों में जो कठिनाई हो रही थी, वह नए सेंटर के निर्माण के बाद खत्म हो जाएगी। पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने वीडियो संदेश द्वारा भोपाल को मिली इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए बधाई दी।

कैसा होगा नया कन्वेंशन सेंटर

वर्तमान सेंटर के परिसर में आधुनिक तकनीक से नया सेंटर निर्मित और सुसज्जित किया जाएगा। इसमें 1500 से 2000 व्यक्तियों के एक साथ बैठने की व्यवस्था के साथ ही सुविधायुक्त डाइनिंग हॉल, 15 आधुनिक अतिथि कक्षों और लगभग 400 वाहनों की पार्किंग व्यवस्था होगी। नवीन संरचना में भूतल, निचला तल, प्रथम एवं द्वितीय तल निर्मित होंगे। वर्तमान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार और प्रस्तावित भवनों के बीच सांस्कृतिक केन्द्र होगा, जिसमें कियोस्क होंगे, जो सम्मेलनों के दौरान स्थानीय हस्तशिल्प का प्रदर्शन और विक्रय करने में सहायक होंगे। करीब 1500 व्यक्तियों की क्षमता वाले ऑडिटोरियम के साथ ही 2000 व्यक्तियों की क्षमता का बैंक्वेट हॉल भी बनेगा। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर और प्रस्तावित नवीन कन्वेंशन सेंटर दोनों परिसरों को एक कॉरीडोर से जोड़ा जाएगा। वर्ष 2026 में बनकर तैयार होने वाला यह सेंटर निश्चित ही भोपाल के लिए यह अनूठी सौगात होगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान आज

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 8 मार्च महिला दिवस पर उन उत्कृष्ट महिलाओं को सम्मानित करेंगे, जिन्होंने प्रदेश में महिलाओं और बच्चों के क्षेत्र में समाज सेवा, सुरक्षा, वीरता एवं साहसिक कार्यों में उल्लेखनीय कार्य किया है।

भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में महिला, बाल विकास विभाग के राज्य स्तरीय पुरस्कार का वितरण करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रूपये की मासिक किश्त का अंतरण भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि महिला, बाल विकास विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 के लिये राष्ट्रमाता पद्मावती पुरस्कार (2023), राजमाता विजयाराजे सिंधिया समाज सेवा पुरस्कार (2023-24), रानी अवंति बाई वीरता पुरस्कार (2024) और विष्णु कुमार महिला एवं बाल कल्याण समाज सेवा सम्मान पुरस्कार (2024) शामिल हैं। मुख्यमंत्री महिला दिवस के अवसर पर लाड़ली बहना योजना में माह मार्च 2025 की 1.27 करोड़ लाभार्थी महिलाओं के खाते में लगभग 1552.73 करोड़ की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे।

ग्रामीण आजीविका मिशन में कई नवाचारों एवं अभियानों का होगा शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों को बैंक ऋण राशि वितरण, डीडीयूजीकेवाय अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त बेटियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। कार्यक्रम में भोपाल में चलित जैविक हाट बाजार के तीन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करने के साथ ही मिशन के अन्य कार्यों का शुभारंभ किया जायेगा।

मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के डिजीटल ई-न्यूज लैटर आजीविका अनुभूति का विमोचन किया जायेगा। सीहोर जिले के समूह सदस्?यों को आवागमन हेतु 200 ई-सायकिल का वितरण, प्रदेश के छह प्रमुख शहरों भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं धार में जैविका हाट बाजारों का शुभारंभ, वित्तीय साक्षरता अभियान का शुभारंभ, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयूजीकेवाय) अंतर्गत विशेष रूप से युवितयों के लिये 05 प्रशिक्षण बैच, आरसेटी के माध्यम से बालाघाट, डिण्डोरी एवं अलीराजपुर जिलों में पारंपरिक कला एवं शिल्प के प्रोत्साहन हेतु कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ, डीडीयूजीकेवाय अंतर्गत 1000 युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदाय किए जाएंगे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पढ़ेंगे हम-बढ़ेंगे हम साक्षरता अभियान का शुभारंभ और भोपाल शहर में चलित जैविक हाट बाजार हेतु तीन वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जायेगा। इस अवसर भोपाल जिले के 2 स्व-सहायता समूहों को 10-10 लाख रूपये का बैंक ऋण राशि भी प्रतीक स्वरूप दी जायेगी।

बाबा महाकाल की वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया ने की सपत्नीक पूजा-अर्चना

भोपाल(काप्र)।

महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने सपत्नीक बाबा महाकाल का पंचामृत से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। उनके साथ वित्त आयोग के सचिव कुमार विवेक ने भी बाबा महाकाल की पूजा कर अभिषेक किया। श्री महाकालेश्वर प्रबन्धन समिति की ओर से संभाग आयुक्त संजय गुप्ता और कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने शॉल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। इसके बाद डॉ. पनगढ़िया ने सपत्नीक शक्ति पीठ माता हर सिद्धि मन्दिर मे माता रानी माँ हर सिद्धि की पूजा की और महाकाल लोक का अवलोकन किया।

अहिल्या संस्कृति मेले का शुभारंभ

भोपाल (काप्र)। महापौर श्रीमती मालती राय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में भोपाल मेमोरियल हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सभागार में आयोजित अहिल्या संस्कृति मेला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का फीता काटकर उद्घाटन किया और संस्कृति मेले की प्रशंसा करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। भोपाल मेमोरियल हास्पिटल की डीन तथा बड़ी संख्या में चिकित्सक एवं विद्यार्थीगण उपस्थिति थे। महापौर ने मेले में प्रदर्शित कलाकृतियों एवं चित्रकारी का अवलोकन कर प्रशंसा की। श्रीमती राय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण बहुत महत्वपूर्ण विषय है इसका उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों व स्वतंत्रता के बारे में जागरूक करना है, महिलाओं को उनके सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाना जिससे उन्हें शिक्षा, रोजगार के साथ ही आर्थिक उन्नति के भी अवसर प्राप्त हो सके।

महिला सफाई मित्रों की खेल प्रतियोगिता आज

नगर निगम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस अभिनव पहल करते हुए निगम की महिला सफाई मित्रों को सम्मान देने और उनकी प्रतिभा को और निखारने के लिए महापौर श्रीमती मालती राय की पहल पर स्वच्छ उड़ान महिला सफाई मित्रों की खेल प्रतियोगिता शनिवार को आयोजित की जाएगी। स्वच्छ उड़ान महिला सफाई मित्रों की खेल प्रतियोगिता जवाहर बाल उद्यान लिंक रोड नंबर 2 में शनिवार को प्रात: 8:30 बजे से आयोजित की गई है जिसमें निगम के प्रत्येक जोन की महिला सफाई मित्र रस्साकशी, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़ आदि प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी और विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

खुलेंगे जन औषधि केंद्र: शर्मा

भोपाल (काप्र)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर रेडक्रॉस अस्पताल में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन कर संबोधित करते हुए कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की कमान संभाली है, तब से उन्होंने गरीबों के जीवन को बदलने का काम किया है। सही मायनों में श्री मोदी गरीबों के मसीहा बनकर उभरे हैं।

श्री मोदी ने गरीबी को पास से देखा था और उसे महसूस किया था, इसलिए देश के गरीबों के जीवन में किस तरह से बदलाव लाया जाए उसका संकल्प लेकर काम किया। यही कारण है कि आज आयुष्मान योजना में 5 लाख तक का इलाज मुफ्त में होता है और 70 साल के बुजुर्गों को भी योजना का लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री मोदी स्वस्थ भारत और विकसित भारत की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं, ताकि देश के लोग स्वस्थ रहेंगे तो भारत विकसित भारत की कतार में 2047 तक खड़ा होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि आज देश भर में 15 हजार जन औषधि केंद्र पर 30 से 80 प्रतिशत तक सस्ती दवाईयां मिल रही हैं। आज 5 हजार की दवाईयां जन औषधि केंद्र पर मात्र 500 रुपए में उपलब्ध हो जाती है। जन औषधि केंद्र में सभी 2027 जेनेरिक दवाईयां डब्ल्यूएचओ और जीएमपी सर्टिफाइड हैं और जिसका लाभ लोग उठा रहे हैं और सालाना यहां के रिकॉर्ड की बात की जाए तो यह आंकड़ा 2 करोड़ से साढ़े 7 करोड़ तक पहुंच चुका है। प्रदेश में 450 जन औषधि केंद्र हैं और 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर ट्राइबल ब्लॉक में और 89 जन औषधि केंद्र खोलने का काम सरकार करेगी। लोग ज्यादा से ज्यादा जेनेरिक दवाइयों का उपयोग करें और लोगों में जागरूकता आए। इसके लिए प्रदेश के सांसद, विधायक और पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता डॉक्टरों से मिलकर जेनेरिक दवाइयां लिखने का आग्रह करेंगे। कार्यक्रम को पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने भी संबोधित किया।

अंबेडकर जयंती पर ट्राइबल इलाकों में जनता की सेवा ही हमारा काम

भोपाल(काप्र)।

अधिकारी जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करे। जनता के फोन उठाएं, उनकी समस्या सुने और समस्या का समाधान करे। लोगों की सेवा ही हमारा काम है।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को निवास कार्यालय पर गोविंदपुरा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान यह निर्देश अधिकारियों को दिए। श्रीमती गौर ने अयोध्या नगर एक्सटेंशन में विकास कार्यों में हो रहे विलंब और अधिकारियों के पास उचित जानकारी नहीं होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण के दौरान कोई कठिनाई अथवा समस्या हो तो उन्हें अवगत कराएं। कार्य में लापरवाही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी में पानी की सप्लाई का विशेष ध्यान रखें, जनता को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अयोध्या नगर में सीवेज कई जगह सड़कों पर बह रहा है। सीवेज लाइन को दुरुस्त करें और सीवेज के चेम्बर सुधारें।

अयोध्या नगर एक्सटेंशन फेज-5 से लेकर वार्ड 64 और वार्ड 68 की विभिन्न कॉलोनियों में 6 करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से पानी सप्लाई और पेयजल कनेक्शन का काम किया जा चुका है। वहीं, नई सीवेज लाइन बिछाने और दुरुस्त करने के कार्य पर 3 करोड़ 68 लाख रुपए की राशि विकास कार्यों पर खर्च की जा चुकी है। इसी तरह सिविल के कार्यों के अंतर्गत पार्कों के सौंदर्यीकरण और सीसी रोड के निर्माण पर 2 करोड़ 34 लाख रुपए की राशि से विकास कार्य किए जा चुके है। श्रीमती गौर ने, जो काम अधूरे रह गए हैं, उन्हें पूरा करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। समीक्षा बैठक में उदित गर्ग, श्रीमती उर्मिला मौर्य, श्रीमती छाया ठाकुर, संतोष ग्वाला उपस्थित रहे।

विधानसभा सत्र की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 10 मार्च से आरंभ हो रहे विधानसभा सत्र की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रश्नों और ध्यानाकर्षण आदि के जवाब तथ्यात्मक और तर्कपूर्ण ढंग से दिए जाएं। उन्होंने लंबित शून्यकाल, अपूर्ण उत्तर, आश्वासन और लोक लेखा समिति की सिफारिशों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पंद्रह दिवसीय सत्र में 9 बैठकें होंगी, इस सत्र में 5 विधेयक प्रस्तुत होना संभावित हैं। समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया तथा विधि एवं विधायी विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सस्ती दवाएं-सुलभ इलाज हेतु सराहनीय पहल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मप्र समेत देशभर में खुले जन औषधि केंद्र नागरिकों के निरोगी जीवन और उत्तम स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। इनसे गरीब एवं मध्यम वर्ग के लोगों को कम दामों पर जरूरी दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने शुक्रवार को जन औषधि दिवस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा शुरू की गई दूरदर्शी पहल के लिए उनका आभार माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह श्री मोदी के दाम कम- दवाई उत्तम विजन का परिणाम है कि वर्तमान समय में गरीब नागरिकों को जन औषधि केंद्रों पर 50 से 80 प्रतिशत सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां मिल रही हैं। श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में 15 हजार जन औषधि केन्द्रों के माध्यम से देश के हर कोने में गुणवत्तापूर्ण दवाईयां उपलब्ध हो रही हैं। सस्ते दामों पर मिल रही दवाईयों ने न केवल नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार किया, अपितु उनकी घरेलू बचत को भी बढ़ाया है।

बड़े तालाब के संरक्षण के लिए उठाएं आवश्यक कदम: डॉ. यादव

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल का बड़ा तालाब हमारी समृद्ध धरोहर का हिस्सा है, सर्वे कराकर इसके संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। बड़े तालाब के आस-पास हो रहे अवैध निर्माण और सीहोर से बड़े तालाब में आने वाले जल को अवरूद्ध करने वाली संरचनाओं के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारी भोपाल ताल के आस-पास हो रही निर्माण गतिविधियों के प्रति सतर्क रहें और उनके विरूद्ध तत्काल कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मुख्यमंत्री निवास में हुई पर्यावरण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, सचिव पर्यावरण नवनीत मोहन कोठारी तथा अन्य

अधिकारी उपस्थित थे। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की नदियों तथा अन्य जल संरचनाओं को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए इनके आस-पास की औद्योगिक इकाईयों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित हो कि औद्योगिक इकाइयों द्वारा उनके यहां से निकलने वाले डिस्चार्ज का प्लांट में ही ट्रीटमेंट किया जाए, बड़े होटलों पर भी यह व्यवस्था लागू हो। बैठक में सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत क्षिप्रा तथा कान्ह नदी के जल की गुणवत्ता की निरंतर मॉनिटरिंग तथा इस संबंध में जनजागृति के लिए विशेष गतिविधियां चलाने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संरचनाओं में जल जीवों, जल वनस्पतियों की स्थिति और जल की गुणवत्ता के अध्ययन के लिए विश्वविद्यालयों को भी साथ जोड़ा जाए। नदियों के आस-पास हो रही खनन गतिविधियों को नियंत्रित करना आवश्यक है। इसके साथ ही खनन के बाद छोड़े दिए गए गड्ढों को भरने के लिए नगरीय निकाय और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का दायित्व निर्धारित किया जाए। खनन के बाद छूटे स्थानों को तालाब के रूप में विकसित किया जा सकता है, इससे आस-पास के क्षेत्र के जल स्तर में भी सुधार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, देवास और सागर के साथ-साथ सिंगरौली और मंडीदीप की वायु गुणवत्ता सुधार के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएं। डॉ. यादव ने कहा कि वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए किसानों को नरवाई न जलाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पर्यावरण विभाग, कृषि विभाग के साथ अभियान चलाए। नगरीय क्षेत्र में धूल व प्रदूषण को कम करने के लिए निर्माण गतिविधियों में विशेष सावधानी बरती जाए तथा रेडीमिक्स कांक्रीट के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने पुराने वाहनों से हो रहे प्रदूषण की ओर भी सतर्क रहने की आवश्यकता बताई। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश के 10 तालाबों क्रमशत्र भोज वेटलैण्ड भोपाल, इंदौर के सिरपुर वेटलैण्ड तथा यशवंत सागर, शिवपुरी के साख्य सागर, जाधव सागर और माधव सागर, दतिया के सीता सागर, अशोकनगर के सिंध सागर, रतलाम के अमृत सागर और सागर के सागर तालाब को वेटलैण्ड नियमों के प्रावधान अनुसार अधिसूचित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। रामसर साइट की संख्या की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश के पहले पांच राज्यों में है। वेटलैण्ड एटलस-2021 के अनुसार प्रदेश में 13 हजार 565 वेटलैण्ड्स के भौतिक सत्यापन और सीमांकन का कार्य प्रगति पर है।